30 अप्रैल, 2023 को प्रधानमंत्री जी के रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" के 100वें एपिसोड के अवसर पर माननीय राज्यपाल का अभिभाषण

नमस्कार,

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" के सौवें एपीसोड का यह सुनहरा अवसर है। इस अवसर पर यहां उपस्थित आप सभी को मेरा हार्दिक अभिनन्दन और बहुत-बहुत बधाई।

"मन की बात" आकाशवाणी पर प्रसारित किया जाने वाला एक कार्यक्रम है जिसके जरिये आदरणीय प्रधानमंत्री देश के नागरिकों को संबोधित करते हैं। इस कार्यक्रम का पहला प्रसारण 3 अक्तूबर 2014 को किया गया। जनवरी 2015 में अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनके साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा भारत की जनता के पत्रों के उत्तर दिए। 29 सितंबर 2019 को, लता मंगेशकर शो में एक विशेष अतिथि थीं।

जुलाई 2021 में राज्य सभा में सूचना और प्रसारण मंत्री के एक बयान के अनुसार, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य "दिन-प्रतिदिन के शासन के मुद्दों पर नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करना" है।

"मन की बात" अद्भुत है, क्योंकि यह सीधे श्रोता और प्रधानमंत्री को जोड़ती है। किसी को लगता है कि वह उन्हें सीधे उनके शुभचिंतक और बौद्धिक, आध्यात्मिक और व्यक्तिगत स्तरों पर मार्गदर्शक के रूप में संबोधित कर रहे हैं।

मन की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों के बीच का सेतु है। यह नए भारत के लिए लोगों की मानसिकता को फिर से आकार देने में भूमिका निभाता है। यह लोगों के साथ-साथ समाज के व्यवहार परिवर्तन को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी का देश के युवाओं के साथ एक अनूठा संबंध है और उन्होंने अपने मन की बात भाषणों में उन्हें पढ़ने, इतिहास को जानने, महत्वाकांक्षी होने, विचारों को साझा करने और देश के महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने जैसी स्वस्थ आदतों को विकसित करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें प्रमुखता दी है।
प्रधानमंत्री जी ने श्रोताओं से गरीबों की समृद्धि में योगदान देने के लिए खादी के कपड़े खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान, भारत के मंगल मिशन की सफलता , कौशल विकास और दिव्यांग बच्चों पर भी चर्चा की। उन्होंने देश के नागरिकों द्वारा उन्हें लिखे गए विभिन्न पत्रों और विचारों पर भी चर्चा की।

प्रधानमंत्री जी ने किसानों की चिंता के मुद्दों पर चर्चा की, जैसे मिट्टी की सेहत, उपज का सही मूल्य और भूमि अधिग्रहण। उन्होंने हाल ही में आए लैंड एक्ट को लेकर कई गलतफहमियों को दूर किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत के किसानों द्वारा उनसे उठाई गई कई चिंताओं और प्रश्नों को संबोधित किया।

उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की कमी की समस्याओं और कैसे नागरिक इसे ठीक करने के लिए प्रयास कर रहे हैं, के बारे में बात की। गंगा की सफाई के प्रयास की भी बात हुई; यह संभव है या नहीं। उन्होंने इस दिन को पंचायती राज दिवस के रूप में जाने जाने और 14 अप्रैल को बाबासाहेब अंबेडकर के जन्मदिन के बारे में भी बताया।

मन की बात देश भर के समुदायों को शामिल करने वाले सामाजिक आंदोलनों को उत्प्रेरित करने वाले जन आंदोलन के एक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सामाजिक संदेश कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया ट्रेंड बन जाते हैं और साथ ही कुछ हफ्तों में एक जन आंदोलन भी बन जाता है। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कोविड टीकाकरण और हर घर तिरंगा इसके कुछ शानदार उदाहरण हैं।
अब भारत के लोग अपनी आशा बनाए रखते हैं और खुद की भलाई के लिए बदलने का दृष्टिकोण विकसित किया है। मन की बात ने विश्व नेता के रूप में राष्ट्र के विकास के लिए जन आंदोलनों को भी प्रेरित किया है।

हमारे प्रधानमंत्री की 'मन की बात' की प्रभावशाली यात्रा, जिसने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांतों को कायम रखते हुए 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं।

मन की बात की भावी यात्रा की शुभकामनाओं के साथ और मां भारती को नमन करते हुए मैं यहां अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद.. जय हिन्द।